रहस्यमय चोर
अमरीका के अंतरिक्ष प्रोग्राम के डायरेक्टर रिचार्ड जानसन चाचा चौधरी के पास बैठे हैं.
कहिए जानसन साहब, मैं क्या सेवा कर सकता हूं आपकी?
कुछ दिनों से हमारे अंतरिक्ष प्रोग्राम केन्द्र से कुछ महत्वपूर्ण कागज गायब हो रहे हैं. वहां पर हमारी सुरक्षा और निगरानी का इतना मजबूत प्रबंध है कि कोई भी हमारी निगाह से बचकर नहीं जा सकता. फिर भी कागज गायब हो रहे हैं.
अमरीकी गुप्तचर विभाग तो विश्व-प्रसिद्ध है. यह काम उसे क्यों नहीं सौंपते?
यह काम पहले उसे ही सौंपा था पर गुप्तचर विभाग असफल रहा. तभी मैं आपके पास आया हूं
महत्वपूर्ण कागजात कौन ले जाता है, यह आप जैसी तीव्र बुद्धि का व्यक्ति ही पता लगा सकता है.
अच्छी बात है. मैं भी चलता हूं आपके साथ.
अमरीकन सरकार का एक जम्बो जेट चाचा चौधरी को लेकर रवाना हो जाता है.
U.S.A.
© PRAN'S FEATURES

अमरीका का अंतरिक्ष प्रोग्राम केन्द्र
आईये मिस्टर चौधरी, हम आपको कड़ी सुरक्षा के प्रबंध दिखाएं.
हर कमरे की छत पर कई आटोमेटिक कैमरे लगे हैं, जो हर सैकेंड हर आने जाने वाले की फोटो लेते रहते हैं.
हर कमरे में ऐसी कई मशीनें लगी हैं जो आने-जाने वालों पर इतनी कड़ी निगरानी रखती हैं कि कोई सुई तक छिपा कर बाहर नहीं ले जा सकता.
देखो, वह आदमी बाहर जा रहा है. यह मशीन अभी उसपर पारदर्शक किरणें फेंकेगी.
देखा, किरणें उसके वस्त्रों को पार कर गईं. यदि उसके पास कोई चीज़ छिपी होती तो हमें पता चल जाता.
बिल्डिंग के चारों ओर हमारे सिक्योरिटी गार्ड हैं जो हर बाहर जाने वाले की तलाशी लेते हैं, मेरी भी. इसके बावजूद भी यदि हमारे गुप्त कागज़ों की चोरी हो जाए तो क्या आश्चर्य की बात नहीं ?
जरूर है.

अच्छा साहब, अब आप और आपके स्टाफ के सब लोग इस कमरे से बाहर चले जाएं. मैं जरा एकांत में इस समस्या पर गौर करूंगा.
ठीक है.
सबके जाने के बाद.
मामला बड़ा पेचीदा है, पर हल निकालना ही पड़ेगा. आखिर कागज चोरी हो कैसे जाते हैं ?
जरा इस कमरे को छान बीन कर देखा जाए.
कुछ देर बाद.
जानसन, आ जाओ! चोर पकड़ा गया!
अच्छा! कहां हैं ?
श: श: ! धीरे बोलो.
यह रहा चोर और तुम्हारे कागजात. मुझे अफसोस है यह आपके कागजों को कुतर चुका है. यही आपके कागज उठा कर अपने बिल में ले जाया करता था.
कोई बात नहीं. उन कागजों की नकलें हमारे पास हैं. हमें डर था कि कागज दुश्मनों के हाथ तो नहीं लगे रहे. धन्यवाद, मिस्टर चाचा चौधरी.

मस्त हाथी
चाचा चौधरी ने एक बार अपने खेत में गन्ने बोए. फसल भरपूर हुई. परिवार ने खूब गन्ने चूसे, पड़ोसियों को भी गन्ने बांटे. फिर भी काफी गन्ने बचे रहे. चाचा इन्हें ठिकाने लगाने के लिए निकल पड़ा.
चाचाजी! इतने गन्ने उठाए कहां जा रहे हो?
शहर में एक सर्कस आई है. हाथियों को तो गन्ने बहुत पसंद होते हैं. सर्कस वाले अपने हाथियों को खिलाने के लिए मेरे सारे गन्ने खरीद लेंगे.
चाचाजी! फ्री पास भी लाना दो.
दो नहीं तीन. तेरी चाची को भी तो सर्कस दिखानी है.
शहर की सर्कस में खेल शुरू है.
वाह!
बढ़िया!
सज्जनो! अब आप एक ऐसे खूंखार हाथी का खेल देखेंगे जिसे हमने मैसूर के जंगलों से पकड़ा है.
© PR 'S FEATURES

जंगली हाथी का खेल.
शाबाश!
अब इस पर खड़े हो जाओ. जल्दी करो... हंटर पड़ेंगे... जल्दी!
नया होने के कारण हाथी हिचकिचाता है. रिंगमास्टर गुस्से से हाथी पर हंटरों की वर्षा कर देता है.
चिंघाड़
स्टाक
ओह! हाथी काबू से बाहर हो गया. भागो!
बचाओ! बचाओ!
हाथी तोड़फोड़ करता हुआ दर्शकों की गैलरी की तरफ बढ़ता है.
भागो!
भागो!
जान बचाओ!
सर्कस के तंबू फाड़ने के बाद गुस्से से भरा हाथी बाजार की ओर भागा.
भागो! जंगली हाथी!

C-398 © PRAN'S FEATURES

ऐसा ही एक लैटरबम मैंने चाचा चौधरी के लिए बनाया है. इसे खोलते वह जमीन चाटता नजर आएगा.
प्रोफेसर की पत्नी धमाका देवी...
आप भूल गए? आज मेरी मां का जन्मदिन है. आप उसे बधाई संदेश नहीं भेजेंगे?
ओह! मैं तो भूल ही गया था. लो, अभी बधाई संदेश लिखता हूं.
ट्रिन-ट्रिन-
हैलो!
मुझे जल्दी में एक मीटिंग में जाना है. दाएं लैटर पर चाचा चौधरी और बाएं पर अपनी मां का पता लिख कर लैटरबक्स में डाल देना.
पते लिख लूं.

प्रोफेसर विस्फोटक-दास का लैटर मेरे नाम? खोलकर देखना चाहिए.
अहा, जन्मदिन का बधाई संदेश!
प्रोफेसर! बधाई संदेश भेजने के लिए शुक्रिया.
?
धमाका देवी! इस बार सचमुच तुमने धमाका कर दिया. तुमने उन लैटरों पर उलटे पते लिख दिए.
उधर प्रोफेसर की सास.
अहा! जरूर मेरे दामाद ने मेरे जन्मदिन का बधाई संदेश भेजा होगा. खोलूं!
खोलते ही...
बड़ाम
मैडम कहां चल दीं?
अपने दामाद की खबर लेने.
© PRAN'S FEATURES 1983

कुएं का सौदा
एक उजाड़ जगह पर दो आदमी एक बूढ़े को मार रहे थे.
ओह! मैं मर गया! मत मारो
मार से बचना चाहते हो तो इस पर अपने दस्तखत कर दो.
नहीं, कभी नहीं! मैंने कहा न मुझे यह सौदा कतई मंजूर नहीं.
?
तो फिर यह लो! मारो इसको!
और मारो बुड्ढे को!
अर्र-र-र! रुको! इस बेचारे को क्यों मार रहे हो?
यह हमारा आपस का मामला है. तुम सीधे से अपना रास्ता नापो वरना तुम्हें भी मार मार कर यहां ढेर कर देंगे.
अच्छा!
© PRAN'S FEATURES

चाचा चौधरी फिर बूढ़े की ओर बढ़ा.
ओह! उठो, आपको काफी चोटें आई हैं. ये आपको क्यों मार रहे हैं?
यह हजारों वर्ष पुराना मेरा कुआं है. यद्यपि यह टूट फूट चुका है फिर भी ये इसे बीस हजार रुपए में खरीदना चाहते हैं. मेरे इंकार करने पर इन्होंने मुझे मारना शुरु कर दिया.
इस टूटे-फूटे कुएं के बीस हजार! इसमें पानी है क्या?
पानी गंदा है, पीने योग्य नहीं. इसीलिए इसे कभी उपयोग नहीं किया गया.
तो फिर इसे बेच क्यों नहीं देते? बीस हजार में तो ऐसे बीस कुएं आ जाएंगे.
अपने बुजुर्गों की इस यादगार को मैं बेच नहीं सकता.
आप लोग इस कुएं को खरीदने पर क्यों तुले हुए हैं? बीस हजार में तो और भी अच्छे कुएं आपको दूसरी जगह पर मिल जाएंगे.
बोला न यह हमारा आपसी मामला है. तुम बीच में टांग मत अड़ाओ वरना...
यह तो कुछ टेढ़ी खीर लगती है. क्यों न मैं इस कुएं का वह पानी निकाल कर देखूं जिसे लोग इतना गंदा बताते हैं कि पीने योग्य नहीं.
चाचा चौधरी कुएं में बाल्टी डालकर पानी निकालता है.
मुझे शक है कि इस कुएं में पानी नहीं बल्कि कुछ और है.
चाचा चौधरी पानी को जमीन पर डाल कर आग लगाता है.
यह रहा इसका रहस्य. यह पानी का नहीं, तेल का कुआं है.

इसीलिए तुम इस उजाड़ कुएं को खरीदने के इतने उत्सुक थे कि बीस हजार में खरीद कर लाखों रुपए कमाओ? यह नहीं होगा.
अब अगर तुम्हें पता चल ही गया है तो क्यों न तुम्हें मैं गोली मार कर इस दुनिया से चलता कर दूं.
पिस्तौल देखकर चौधरी का हाथ तेल की बाल्टी पर और भी मजबूत हो जाता है.
और दूसरे ही क्षण...
यह लो!
ओह!
और उसके बाद जो दो तीन भरपूर हाथ भीमसेनी लट्ठ के पड़े तो बदमाशों के होश उड़ गए.
हाय, मैं मरा!
हा-हा-हा-! दोनों भाग गए!
सुनो, यह पानी का नहीं, तेल का कुआं है. सदियों तक बेकार पड़े रहने के कारण किसी का ध्यान इधर नहीं गया. यह हमारी राष्ट्रीय सम्पत्ति है. इसलिए इसे सरकार को सौंप दो.
अच्छी बात है.

जेबकतरा
कहिए थानेदार साहब! सवेरे सवेरे कैसे तकलीफ की?
चौधरी, मैं तुम्हारे पास एक जरूरी काम से आया हूं.
कुछ दिनों से मेरे इलाके में एक बड़ा होशियार जेबकतरा सक्रिय है
पहले एक कप चाय, फिर आगे का हाल सुनेंगे.
हां, तो मैं कह रहा था कि वह चालाक जेबकतरा सैंकड़ों लोगों की जेब पर हाथ साफ कर चुका है. वह इतना सिद्धहस्त है कि लोगों की जेब इतनी सफाई से साफ करता है कि किसी को पता ही नहीं चलता.
उधर से सुपरिंटेंडेंट साहब ने आर्डर भेजे हैं कि यदि उस जेबकतरे को एक सप्ताह में न पकड़ा तो वह मुझे नौकरी से निकाल देंगे.
अच्छा! फिर क्या हुआ?
पांच दिन तक तो मैं उसे पकड़ने के लिए चारों तरफ घूमा पर वह हाथ न आया. छठे दिन जब उसे मैं पकड़ने निकला तो पता है क्या हुआ? हंसोगे सुनकर, उसने मेरी भी जेब साफ कर दी थी.
हा-हा-
© PRAN'S FEATURES

अब सिर्फ एक दिन रह गया है. मेरी नौकरी का सवाल है. चाचाजी मेरी मदद करो.
आप निश्चिंत होकर जाइये. आज शाम तक वह आपके हवाले होगा.
थानेदार जाने के बाद
भागवान! मैं यह कपड़े टांगने की रस्सी और कपड़े पकड़ने वाला एक क्लिप ले रहा हूं. एक जेबकतरे को पकड़ना है.
चाचाजी! इस मामूली क्लिप और रस्सी से क्या होगा. पिस्तौल रखते तो बात थी.
अरे नहीं टीपू. यह बड़े काम की चीज है.
देखो, इस स्प्रिंग वाले क्लिप का मुंह खोलकर पीछे धागा लपेट दिया. इससे क्लिप का मुंह खुला रहेगा. इसके दूसरे सिरे पर नोटों की गड्डी बांध दी और गड्डी के साथ यह रस्सी. जब कोई नोटों की गड्डी को पकड़ेगा तो क्लिप पर लगा धागा खुल जाएगा और पकड़ने वाले की उंगली को खटाक से पकड़ लेगा.
अब इन्हें मैं अपनी जेब में डाल लेता हूं. नोटों की गड्डी के साथ बंधी रस्सी का दूसरा सिरा मेरी कमर से बंधा है, जिसे मेरे कुर्ते ने ढक रखा है.
वाह!
अब हम चलें बस स्टाप पर.
तुम्हारा काम यह होगा कि वहां पर पहुंचते ही जोर जोर से लाखों रुपयों की बातें करना.
हां.
समझ गया, जिससे जेबकतरा हमारी ओर खिंचा चला आए.

बस स्टाप
मैसूर लाटरी का जो दो लाख का इनाम मिला था, वह कहां है?
मेरी जेब में है. बैंक में जमा कराने जा रहा हूं.
कुछ देर बाद
बोलते बोलते मेरा मुंह थक गया है.
श... श... कुछ देर और बोलो.
चाचाजी, पिछले महीने पंजाब लाटरी का जो एक लाख मिला था, कहां है?
मेरी जेब में. आज सारा रुपया बैंक में जमा कराऊंगा.
तभी धीरे से एक हाथ चाचा की जेब में सरकता है.
और इसके साथ ही क्लिप के बंद होने की आवाज आती है.
पकड़ा!
क्लिक
ओह! मेरी उंगली
क्लिप ने मेरी उंगली को पकड़ लिया है. बाप रे! भागो!
कहां भागोगे! यह रस्सी पहले से ही मैंने बांध रखी है.
ओह!
लो थानेदार साहब, यह रहा आपका जेबकतरा.
धन्यवाद चौधरी.

छेदीलाल की दौड़
रेडी!!
एशियाई दौड़ प्रतियोगिता
ठांय!!
अं-आं
आं-आं
छेदीलाल, क्यों रो रहा है? क्या भैंस खो गई?
© PRAN'S FEATURES

तो तुझे तेज भागना चाहिए था.
नहीं, मैं दौड़-प्रतियोगिता में पीछे रह गया.
क्या करूं? मेरी टांगें छोटी हैं. दूसरे प्रतियोगी लम्बे थे, इसलिए आगे निकल गए. चाचाजी, मेरी मदद करो.
साबू सो रहा है. यह सूखी घास उसकी नाक में घुसेड़ दो.
चाचाजी, क्यों पिटवाने की बात कर रहे हो?
जैसा मैं कहता हूं, करो.
अ-आ-आ

आ छीं!!
मंज़िल
धड़ाम!
मंज़िल
फर्स्ट!
फर्स्ट!!
छेदीलाल, दौड़ के अन्य प्रतियोगी कहां हैं?
सर, मैंने उन्हें आधे रास्ते में देखा था.
© PRAN'S FEATURES

राकेट खतरे में
राकेट! मैं यह गेंद फेंकता हूं, तुम उठाकर लाना.
जाओ!
कुछ दूर
धमाकासिंह, तुमने चाचा चौधरी की गेंद क्यों लपक ली?
सरदार, मैं राकेट के मुंह में गेंद की बजाय यह बम थमा दूंगा जो ज़मीन पर गिरते ही फट जाएगा और वह मर जाएगा.
वाह!
लो! मुंह खोलो.

चाचा चौधरी का वफादार कुत्ता अब इस दुनिया से गया समझो.
हैं? यह वो गेंद नहीं जो मैंने फेंकी थी. मेरे दिमाग में खतरे की घंटी बज रही है.
चाचा चौधरी का दिमाग कंप्यूटर से भी तेज चलता है.
साबू! राकेट को उठाकर आसमान में उछाल दो. जल्दी
पलक झपकते ही साबू ने राकेट को उठाया...
और आसमान में उछाल दिया.
आकाश में राकेट ने घबरा कर बम को छोड़ दिया.

अब राकेट नीचे आ रहा है. मुझे उसे लपक लेना चाहिए.
साबू, वो खतरनाक बम है. उसके जमीन छूने से पहले यहां से दूर हो जाओ.
बड़ाम
कमबख्त धमाकासिंह! तेरा यह प्लान भी असफल रहा.
भागो!
© PRAN'S FEATURES

© PRAN'S FEATURES

इतने में ही एक सर्द हवा का झोंका आया.
आक छीं
कहो चाचाजी, क्या हुआ?
लगता है सर्दी लग गई है और जुकाम हो गया है. आक छीं!
आपको और अधिक सर्दी न लग जाए इसलिए आपको जेब में डालकर घर ले चलूं.
चाचाजी, घर आ गया. अब जेब से बाहर आ जाओ. अरे! वह तो जवाब ही नहीं दे रहे?
अरे! देखना, कहीं तुम्हारी जेब में उनका दम तो नहीं घुट गया?
अरे हां, ऐसा हो गया तो वह मर ही जाएंगे. जरा देखूं तो.
जेब के अंदर
अरे वह तो बड़े आराम से सो रहे हैं. चाचाजी! जागो!
आप सो क्यों गए थे?
हा-हा
तुम्हारे कोट की जेब तो रजाई से भी ज्यादा गरम और आरामदेह है.
हा-हा-

चाचा चौधरी की पिचकारी
आज होली है.
खूब जमके खेलेंगे
सब पिचकारियां भर ली.
रंगने के लिए आज किसे पकड़ें?
चाचा चौधरी को.
बड़ा चालाक समझता है खुद को. कहते हैं उसने किसी से मात नहीं खाई.
फिर क्या है. पकड़ कर रंग दो उसको.
लेकिन वह इस वक्त मिलेगा कहां?
मैंने उसे थोड़ी देर पहले नत्थू पान वाले की दुकान पर देखा था. अब वह वापस लौट ही रहा होगा.
PRAN'S FEATURES

खामोश ! चाचा चौधरी इधर ही आ रहा है.
चुपचाप सब छिप जाओ.
हा-हा होली है!
होली है!
रंग दो पूरी तरह!
जाने न पाए.
चौधरी! आज कहां गई तेरी होशियारी?
हा-हा!
हो-हो

चला गया वह हार मान कर.
पर मुझे लगता है कि वह लौट कर आएगा और बदला लेगा.
यह नहीं हो सकता. एक तो उसके पास पिचकारी नहीं, दूसरे हम इतने सारे लोगों पर वह रंग कैसे डालेगा?
तभी.
अरे! यह रंग की मोटी बौछार कहां से आई?
मैं न कहता था कि चाचा चौधरी लौट कर आएगा. अब भागो यहां से!
हा-हा होली है!
अरे बाप रे! उसने तो सबको रंग दिया.

अफ्रीका में
एक बार चाचा चौधरी और दीपू अफ्रीका की सैर को गए. सामान उठाने के लिए उन्होंने एक हब्शी गफ्फूर को नौकर रखा और घने जंगल में निकल पड़े.
यह जंगल तो इतना घना है कि सूरज की किरणें भी जमीन तक नहीं पहुंच पातीं.
इतना घना जंगल पहले कभी नहीं देखा. यह कहीं जाकर खत्म होगा?
चलते चलो. कहीं न कहीं तो खत्म होगा ही.
कुछ और आगे चलने पर
क्यों भाई गफ्फूर, यह जंगल कहां जा कर खत्म होगा? अरे गफ्फूर?
गफ्फूर कहां गया.
वापस पीछे की तरफ आओ. वह कहीं रास्ते में अटक गया होगा.
चौधरी, बचाओ! अजगर मुझे निगल जाएगा.
© PRAN'S FEATURES

चाचा चौधरी निशाना बांध कर एक साथ कई फायर करता है.
अजगर मर जाता है. गफ्फूर उसकी लपेट से छूट जाता है.
धन्यवाद, चौधरी.
कुछ दूर और चलने पर.
मैं आपके साथ और आगे नहीं जाऊंगा. आगे दो आदमखोर भाई रहते हैं जो आदमी को मार कर खा जाते हैं. मैं वापस जा रहा हूं.
अच्छा भई गफ्फूर.
दीपू, हम तो जरूर आगे जाएंगे लेकिन होशियार रहना.
आदमखोर भाई.
अहा! शिकार आ रहे हैं. आज इन का मांस खाना चाहिए.
तुम इन पर पीछे से वार करो, मैं इन्हें आगे से घेरता हूं. बचकर जाने न पाएं.
दोनों आदमखोर चौधरी और दीपू को घेर लेते हैं.
चाचाजी, अब क्या होगा?
घबराओ नहीं दीपू, हमारे पास बंदूक है.

लेकिन ऐसे समय बंदूक भी साथ छोड़ गई.
अरे! इसमें तो एक भी गोली नहीं बची
टिक! टिक!
मार डालो दोनों को!
भूनकर खा जाएंगे इन्हें!
अ ह!
दोनों आदमखोर भालों से वार करते हैं. तभी बिजली की कौंध की तरह दीपू और चाचा चौधरी कूद पड़ते हैं और आदमखोरों के भाले एक दूसरे को बेध देते हैं.
शाबाश दीपू!
दोनों मर गए. अब ये किसी को नहीं सताबेंगे. दीपू, तुमने इस घटना से क्या सीखा?
जो दूसरों को मारना चाहता हैं वह अपने हाथों आप मर जाता हैं.
ठीक. लो, जंगल भी खत्म हो गया.

मछलियां और सोना
सोने के स्मगलरों की एक नाव धीरे-धीरे समुद्र तट की ओर बढ़ रही थी. स्मगलरों का लीडर तट पर उनका इंतजार कर रहा था.
अहा! वे आ गए. इस बार तो काफी सोना लाए होंगे.
तभी एक पुलिस की जीप तेजी के साथ उस स्थान पर आकर रुकती हैं.
रुको!
हमें सूचना मिली हैं कि इस नाव में सोने की पेटियां स्मगल की जा रही हैं. हम तलाशी लेंगे.
बड़े शौक से, इंस्पेक्टर साहब.
परंतु जब नाव की पेटियां खोल कर देखी गई तो...
अरे! इनमें तो केवल मछलियां हैं, सोना नहीं. चलो वापस.
हा-हा! वे चले गए. अब निकाल लो असली माल.
(c) PRAN'S FEATURES

उसी नाव के पिछले हिस्से के साथ एक रस्सी बंधी हुई है जिसका दूसरा सिरा पानी में है.
हा-हा ! खींच लो पेटी को पानी के बाहर. इसी में असली माल है.
वाह, सोना ! असली सोना. खूब पुलिस को चकमा दिया. कल भी ऐसा करना.
दूसरे दिन सवेरे समुद्रतट पर चाचा चौधरी और टीपू दातुन करते हुए टहल रहे थे.
आज तो मैं समुद्र में स्नान करूँगा.
अच्छी बात है.
टीपू मेरे कपड़ों का ख्याल रखना, मैं ज़रा एक गहरी डुबकी लगा आऊं.
पानी के अंदर.
अरे ! समुद्र के अंदर पेटी ?
पेटी के साथ रस्सी बंधी है, हो न हो यह स्मगलरों का काम है.
उधर समुद्र तट पर
अहा ! नाव आ गई मेरा सोना ले कर.

फिर पुलिस छापा मारती है.
हम इस माल को देखेंगे.
बड़े शौक से इंस्पेक्टर !
अरे, आज भी इनमें मछलियों के सिवाय कुछ नहीं है.
आप रोज-रोज बेकार में तकलीफ करते हैं, साहब.
चलो वापस चलें.
ज़रा ठहरो इंस्पेक्टर साहब. जाने से पहले ज़रा इस पेटी को भी देख लो.
नहीं-नहीं. इसमें भी मछलियां हैं.
वहीं खड़े रहो, वरना गोली मार दूंगा.
पेटी खोलने पर सोना निकलता है.
यही है मछलियां ? गिरफ्तार करो इन्हें.
चाचाजी, धन्यवाद !
किस बात का धन्यवाद ! मैं तो समुद्र में सिर्फ डुबकी लगाने आया था.

रक्षा विभाग की फाइलें
रक्षा विभाग का एक उच्च अधिकारी चाचा चौधरी के घर...
चाचाजी, हमें आपकी मदद चाहिए. कुछ दिनों से हमारे दफ्तर से देश की सुरक्षा से संबंधित जरूरी फाइलें गुम होने लगी हैं. काफी कोशिश के बावजूद चोर नहीं पकड़ा जा रहा.
यह तो सचमुच बड़ा गम्भीर मामला है, जनरल साहब.
मैं अभी आपके साथ चलता हूं. मुझे शक है जरूर कोई विदेशी जासूसों का गिरोह सक्रिय है.
रक्षा विभाग के गेट पर.
आप निश्चिंत हो कर जायें. मैं यहीं खड़ा हो कर हर आने जाने वाले पर नजर रखूंगा.
विदेशी जासूस.
आज तुम्हें उस दफ्तर से फाईल नं. 12 लानी है. जरा होशियारी से.
पर मैं अंदर कैसे जाऊंगा?
लो, अंदर आने का पास. इसे हमने जाली तैयार किया है, पर यह असली जैसा ही है. तुम्हें कोई रोकेगा नहीं.
ठीक है, बास!
© PRAN'S FEATURES

रक्षा विभाग में.
यह आदमी अच्छे चरित्र का नहीं लगता.
पर इसके अंदर आने का पास है.
दफ्तर में एक महिला क्लर्क फाईलें सुरक्षित रख रही है.
तभी पीछे से अचानक.
शोर करने की कोशिश न करना. मेरे पास पिस्तौल है. अलमारी की चाबी निकालो.
हां, यही है वह फाईल. पर इतनी बड़ी फाईल कहां छुपाकर बाहर ले जाऊं, संतरी देख लेगा. क्यों न इस महिला की साड़ी पहन लूं, साड़ी में यह छिप भी जाएगी.
वह महिला क्लर्क की साड़ी पहन लेता है, उसे अपने कपड़े पहना देता है.
अब मुझ पर कोई शक नहीं करेगा.
गेट पर
संतरी जी, जाने क्यों मुझे इस महिला पर शक लग रहा है.
अरे, तुम तो यूं ही शक की हो. अपने पति को खाना देकर आ रही होगी.
हूं! साड़ी के नीचे बूट? तब तो जरूर कुछ गड़बड़ है.

देवी जी, जरा ठहरिए. मुझे आपकी तलाशी लेनी है.
किसी शरीफ औरत को तंग करते तुम्हें शर्म नहीं आती?
कुछ भी हो, आपको तलाशी देनी ही होगी.
नहीं मानते हो? तो यह लो!
बदमाश गोली चलाता है पर चाचा चौधरी बच कर कूद जाता है.
इससे पहले कि दूसरी गोली चले, चौधरी का लट्ठ चल गया.
ओह!
यह लो! और लो!
हाय! मैं मरा!
माफ कर दो! यह रही वह फाईल जो मैं चुरा कर ले जा रहा था.
उस महिला को खोलो, और उसे उसके कपड़े वापस करो.
जनरल भी आ जाता है.
आपने बहुत अच्छा काम किया, चाचाजी, इसके गिरोह के बाकी सदस्यों का पता हम इसी से लगा लेंगे.

अखबार का कमाल
दीपू, मैंने अखबार बेचने का काम शुरू किया है. इसमें बहुत फायदा है. सुबह एक घंटा अखबार बाँटो और ढेर सारा कमीशन पाओ.
वाह! मैं भी आपके साथ चलता हूं. मुझे भी यह काम सिखला दो.
ऊपर वाले फ्लैटों में रबड़ बांधकर अखबार फैंका जाता है
बांग!
© PRAN'S FEATURES

ओ अखबार वाले! तेरा सत्यानाश हो. तूने हमारी खिड़की का शीशा ही तोड़ डाला.
जो हो गया, जाने दो. मैं आज ही नया शीशा लगवा देता हूं. खिड़की कल से खुली रखना ताकि अखबार से शीशा न टूटे.
दूसरे दिन वे अपनी खिड़की के दरवाजे खुले रखते हैं.
वाह! ऊपर वाले फ्लैट की खिड़की खुली है. उसमें से अंदर जाकर और यह पिस्तौल दिखाकर मैं काफी माल बटोर सकता हूं.
मकानों में ये पाइप भी शायद हमारी सुविधा के लिए लगाए जाते हैं. इससे ऊपरी मंजिल पर पहुंचना कितना आसान है!
हाथ ऊपर करो! सारी नकदी और जेवर मेरे हवाले कर दो वरना अभी शूट करता हूं.

तभी चाचा अखबार डालने आता है.
अखबार वाला!
आऊ ऽऽ
ढी.शूं ऽऽ
ओह
और यह लो!
हाय, मैं मरा!
शोरगुल सुनकर चाचा चौधरी भी आ जाता है.
चाचा चौधरी, तुम्हारे अखबार ने आज बचा दिया. लो इनाम सौ रुपए.
पहले इसको कोतवाली पहुंचा आऊं, फिर लूंगा इनाम.

डाकू गीदड़सिंह
एक दिन चाचा चौधरी ढेर सारे पटाखे ले आए.
देख टीपू, मैं तेरे लिए क्या लाया?
वाह, चाचाजी! इतनी सारी आतिशबाजी! क्या-क्या है इसमें?
फुलझड़ियां, एटम बम, अग्नि चक्र, अनार और राकेट.
जरा देखूं, यह एटम बम असली है या नकली?
वाह! मजा आ गया!
बड़ाम
अहा! वह देखो, राकेट खिड़की से निकल कर आसमान को गया.
© PRAN S FEATURES

शहर के बाहर डाकू गीदड़सिंह और साथी.
अगर आज चौधरी का सफाया कर दें तो हमारे साथियों को फिर किसी का डर नहीं.
चाचा चौधरी ने हमारे अनेक साथियों को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया है. यदि हम इस चूहे को रास्ते से हटा दें तो फिर हमारा कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता.
लेकिन सरदार, चाचा चौधरी को मारना आसान नहीं.
अरे, तुम मेरे साथ तो आओ, बंदूक की एक गोली से ही भून दूंगा उस चूहे को.
वह रहा उसका घर. बंदूक तान लो और उसे देखते ही दनादन गोलियां दाग दो. बचने न पाए.
उधर घर के अंदर.
टीपू इन राकेटों और एटमबमों का मुंह खिड़की की ओर रखो ताकि इनकी आग से घर को नुक्सान न हो.
अच्छा जी.
धावा बोल दो! मार दो! भागने न पाए!

वह गया राकेट!
हा-हा!
ज़ूम म ...
जिस समय डाकू गोली दागने को होता है, दीपू का छोड़ा हुआ राकेट सर्राटे से आकर उसके सीने में लगता है.
और उसके पीछे और राकेट... फिर परम बम
बापरे! जान बचानी है तो भागो.
जूम
बड़ाम
बाहर शोरगुल हो रहा है. आओ देखें, क्या हो गया?
अरे! गीदड़सिंह, बंदूक के साथ तुम यहां क्यों कर रहे थे?
हम तुम्हें मारने आए थे. आह... पर तुम्हारे राकेटों ने हमारा कचूमर बना दिया. जल्दी से किसी पास के अस्पताल में ले चलो. हाय... मरा...

गोरिल्ले को कैसे पकड़ा?
चाचा चौधरी को बच्चों के साथ खेलना बड़ा अच्छा लगता है. एक दिन...
चाचाजी! मुझे पकड़ कर दिखाओ.
अरे, दीपू तुम तो बहुत तेज दौड़ते हो.
तभी अचानक
ओह चाचाजी! मुझे बचाओ!
दीपू, मेरी इस पगड़ी को पकड़ लो. मैं तुम्हें ऊपर खींचता हूं.
दीपू पगड़ी के सहारे ऊपर आ जाता है.
यह सूखा हुआ कुआं था. गांव वालों ने इसे घास फूंस से ढक दिया.
वे उस सूखे हुए कुएं पर फिर घास फूंस डाल कर उसे पहले जैसा ढक देते हैं और चले जाते हैं.
© PRAN'S FEATURES

दीपू, बचो! वृक्ष उखड़कर तुम्हारे ऊपर गिर रहा है।
और उस वृक्ष के पीछे से.
अरे बाप रे! इतना बड़ा गोरिल्ला तो मैंने पहले कभी नहीं देखा.
चाचाजी, भागो! वरना वह हमें मार डालेगा.
ठहरो दीपू!
अगर खूंखार गोरिल्ला गांव की तरफ निकल गया तो वह गांव में आतंक मचा देगा. लोगो को कुचल देगा, उनके घरों को तहस-नहस कर देगा. इसलिए इसको यहीं रोकना चाहिए, चाहे हमारी जान ही क्यों न चली जाए.
चाचा चौधरी एक पत्थर उठा कर गोरिल्ले पर दे मारता है.
बौखला कर गोरिल्ला चाचा चौधरी व दीपू की ओर भागता है.
भागो! वह हमारे पीछे आ रहा है.

चाचाजी, वह हमारे बहुत पास आ गया है. जल्दी ही वह हमें पकड़ कर हमारी चटनी बना देगा.
चाचा चौधरी गोरिल्ले को जानबूझ कर सूखे कुएं की तरफ ले आता है.
गर्र गर्र
दीपू, घबराओ मत. मैं अभी उसे फांस लेता हूं.
और दूसरे ही क्षण.
गर्र गर्र
गिर गया वह इस कुएं में. अब वह कुछ भी करले, अपने आप ऊपर नहीं आ सकता.
खबर सुन कर चिड़ियाघर का डायरेक्टर आता है और गोरिल्ले को निकलवा कर पिंजरे में बंद कर देता है.
हमारे चिड़ियाघर में बच्चे इसे देखकर बड़े खुश होंगे.

निराश युवक
कहो भाई साबू क्या हाल हैं तुम्हारा ?
ठीक हूं मेरे आका !
अच्छी बात है. अब तुम जा सकते हो .
और साबू चिराग में विलीन हो जाता है .
अच्छा टीपू , मैं जरा बाजार जा रहा हूं . तुम यहीं घर पर रहो.
अच्छा.

चाचा चौधरी बाजार में घूम रहा होता है . तभी ...
बचाओ !
बचाओ !
बचाओ !
क्या हुआ ?
वह देखो. वह नौजवान खुदकुशी करना चाहता है .
फायर ब्रिगेड को फोन करो. वे लम्बी सीढ़ी से उसे उतार लेंगे.
खबरदार ! अगर कोई फायर ब्रिगेड को फोन करने गया तो मैं फौरन कूद कर जान दे दूंगा.
मामला बड़ा पेचीदा लगता है. जल्दी कुछ करना चाहिए.
चाचा चौधरी चुपचाप चिराग को रगड़ता है.

क्या हुक्म है?
साबू! तुझे जल्दी उस नौजवान को बचाना है.
तुम मुझे नहीं बचा सकते. तुम अगर दाईं तरफ खड़े हो तो मैं बाईं तरफ से कूद जाऊंगा.
नौजवान जब बाईं तरफ को भागता है, तो साबू अपना दूसरा हाथ उधर कर देता है.
और तब यकायक.
ओह! छोड़ दो मुझे!
नौजवान सड़क पर सुरक्षित लाकर खड़ा कर दिया जाता है.
बरखुरदार! अब बताओ, तुम खुदकुशी क्यों करना चाहते थे.
ओह!
मैं दसवीं में फेल हो गया था, इसलिए जीना नहीं चाहता था.
धत तेरे की! बस इतनी सी बात? अरे इस साल दिल लगा कर पढ़ो और अगली बार फर्स्ट डिवीज़न से पास हो जाओ.
(c) PRAN'S FEATURES

अदभुत चित्रकारी
चाचाजी, उसने मेरी नाक काट कर अपने पास रख ली.
और मेरे दोनों कान.
अरे भई किसने?
शहर में एक जापानी चित्रकार आशीतोबा आया हुआ है. वह शर्त लगाता है कि जो भी उससे अच्छा चित्र बनाएगा, उसे वह अपनी नाक या कान काट कर दे देगा, नहीं तो वह अपने प्रतिद्वंदी की नाक-कान ले लेगा. इस तरह वह अब तक सैंकड़ों नवयुवकों के नाक और कान काट चुका है.
अच्छा? ये बात है!
आओ मेरे साथ. मैं भी जरा उसे देखूं.
आशीतोबा, जापानी चित्रकार अपने कमरे में
अरे भाई, तू क्यों भोले-भाले लोगों के नाक-कान काटता फिरता है.
ये लोग शर्त हार गए, सो नाक-कान खो बैठे. तुम भी मुकाबला कर लो. अगर जीत गए तो तुम्हें हमारी नाक मिल जाएगी और हम यहां से चले जाएंगे.

ठीक है. लेकिन हमारे चित्रों को परखने के लिए जज कहां है ?
वह इधर ही है.
जज आ जाता है.
एक बात और है. चूंकि मैं छोटा-मोटा चित्रकार नहीं, अत: मुझे चित्र बनाने के लिए एक बहुत बड़ा केनवस चाहिए.
प्रतियोगिता शुरु होती है. बीच में एक पर्दा डाल दिया जाता है ताकि कोई दूसरे का चित्र न देख सके.
तुम दोनों को पेंटिंग बनाने के लिए ये दो आमने-सामने की दीवारें दी जाती हैं.
तुम्हें इन दीवारों पर सात दिन के अंदर अपने अपने चित्र पूरे करने हैं.
उधर चाचा चौधरी पेंटिंग बनाने की बजाए बाजार में घूम फिर कर अपना समय काटता है.
GLASS Co
छ: दिन बाद.
अरे, तुमने अभी तक अपना चित्र शुरू नहीं किया ?
मैं कोई मामूली चित्रकार नहीं. सातवें दिन ही अपना चित्र पूरा कर लूंगा.

सातवें दिन दोनों दीवारों के बीच का पर्दा हटता है.
अरे! ये दोनों चित्र तो बिलकुल एक जैसे हैं! अब फैसला कैसे करूं ?
ठीक है. दोनों चित्र एक जैसे हैं. लेकिन चूंकि चाचा चौधरी ने अपना चित्र सात दिन की बजाए सिर्फ एक दिन में बनाया है, इसलिए वह जीत गया.
चौधरी यह लो चाकू और काट लो हमारी नाक!
मैं तुम्हारी नाक नहीं काटूंगा.
क्योंकि जापानियों की नाक वैसे ही छोटी होती है. मैं उसे काट क्या करूंगा ? इतना वचन दो कि आगे से किसी के नाक कान नहीं काटोगे.
हम वचन देता है.
बाद में.
कौनसा चित्र ?
परंतु, चाचाजी, आपने इतना अच्छा चित्र बना कैसे लिया ? चित्रकारी तो आपको आती नहीं.
मैंने कोई चित्र-वित्र नहीं बनाया. मैंने तो सिर्फ उस दीवार जितना बड़ा एक आईना लाकर वहां फिट कर दिया. जो भी चित्र जापानी चित्रकार बनाता वह सामने के आईने में दिखाई देना ही था.
(c) PRAN'S FEATURES

फिरौती का पैसा
एक दिन दीपू बड़े मजे से खेल रहा होता है कि ...
यह बच्चा अकेला खेल रहा है. क्यों न हम इसे उठाकर ले जाएं और इसके घरवालों से मोटी रकम बटोरें.
फुर्ती से पीछे से आकर दोनों डाकू बेखबर दीपू को एक चादर में दबोच लेते हैं.
अ... हो. पकड़ा गया.
आवाज न निकलने पाए.
म... मैं... मां...!
दीपू को गठरी में बांधकर डाकू जंगल की ओर दौड़ते हैं.
अगले दिन चाचा चौधरी के पास डाकुओं की चिट्ठी आती है.
क्या लिखा है इस चिट्ठी में?
लिखा है, यदि जंगल में एक निश्चित स्थान पर बीस हजार दे जाएंगे तो वे दीपू को आजाद कर देंगे. अगर पुलिस को खबर की तो वे दीपू को मार देंगे.

लेकिन हमारे पास इतना रुपया आएगा कहां से?
फिक्र न करो. मुझे सिर्फ सौ-सौ के दो नोट दे दो. बाकी का मैं खुद इंतजाम कर लूंगा.
यह लो.
बस अब देखना, मैं दीपू को अभी छुड़ा कर लाता हूं.
और चाचा चौधरी डाकुओं द्वारा निश्चित किए हुए स्थान की ओर चल पड़ता है.
मुझे दूर कोई आता दिखाई दे रहा है. कहीं वह अपने पीछे पुलिस न ले आया हो. इसलिए पिस्तौलें निकाल लो.
अ-हा-हा! लगता है बीस हजार रुपए ले आए हो. सचमुच तुम बड़े अक्लमंद हो.
संभालो, अपने रुपए.
वाह!
और यह लो संभालो अपना लड़का.
(c) PRAN'S FEATURES

अरे, यह क्या? सिर्फ ऊपर और नीचे दो नोट, बीच में कागज! कहां गए? पकड़ो!
क्यों बे, हमारे साथ चालाकी? केवल दो सौ देकर लड़का ले जा रहा था?
मैंने कब कहा कि मैं तुम्हें पूरे रुपए दे रहा हूं.
दो सौ मैंने दे दिए हैं. बाकी उससे लो जो तुम्हारे पीछे खड़ा है.
हैं! पीछे कौन? उधर तो कोई नहीं.
तभी चाचा का एक जोरदार मुक्का बदमाश के मुंह पर पड़ा.
उधर नहीं, इधर.
ढिश
ओ ह!
और यह ले तू भी एक.
ओह!
ढिश
काफी पिटाई हो गई है. अब यह किसी का बच्चा अगवा नहीं करेगा.

पोस्टमास्टर की समस्या
एक दिन एक बड़ी फर्म का मैनेजर डाक से आए हुए पत्रों को खोल कर पढ़ रहा था.
आज बहुत से पत्र आए हैं. लगता है जनता को हमारा माल पसंद आया है.
यह आखिरी पत्र है. देखूं, इसमें क्या लिखा है!
धड़ाम
उस लिफाफे में लैटर बम था. उसी ने इसकी जान ले ली.
चाचा चौधरी अपने घर पर...
चाचाजी क्या हाल हैं?
बड़े दिनों से बेकार बैठा हूं. लगता है जुर्म कम होने लगे हैं. लोग शरीफ होते जा रहे हैं.

तभी.
चाचाजी, जल्दी-चलिए! पोस्ट मास्टर जनरल ने आपको अभी बुलाया है.
लगता है मेरी कोई जरूरी चिट्ठी आई है.
पोस्ट मास्टर जनरल के पास...
चाचाजी! कुछ दिनों से लैटर-बम बहुत आने लगे हैं.
अपराधी का पता आपके सिवाय और कौन लगा सकता है? अगर आपको अपनी सुरक्षा के लिए बंदूक, पिस्तौल या तोप चाहिए हो तो हम उसका प्रबंध करवा देंगे. आखिरी लैटर-बम जो फटा उसके लिफाफे के ये टुकड़े हमारे पास मौजूद हैं, चाहें तो देख सकते हैं.
मुझे बंदूक या तोप नहीं चाहिए. मुझे सिर्फ लैटर-बॉक्स खोलने की इजाजत, यह लिफाफे का टुकड़ा और यह काल बैल दे दीजिए.
अच्छी बात है.
चाचाजी, लैटर-बम के लिफाफे के टुकड़े का क्या करोगे?
इस पर लगी डाकखाने की मोहर बताती है कि यह किस जोन से पोस्ट किया गया.
MAIL
MAIL
और उस जोन का यही लैटर-बाक्स सबसे अधिक एकांत जगह पर है. अपराधी हमेशा भीड़ से जी चुराते हैं. अत: दुबारा लैटर बम डालने के लिए भी वह यहीं आएगा.

यहां छिप जाओ. लैटरबाक्स को खोलकर मैंने कालबैल उसके अंदर रख दी है.
तभी.
टन
यही है वह लैटर-बम डालनेवाला. पकड़ो इसे!
इससे पहले तुम किसी को बुलाओ मैं तुम्हारा गला दबा कर तुम्हें खत्म कर देता हूं.
ओह
ढीशुं
इंस्पैक्टर साहब! गिरफ्तार कर लो इसे!
सचमुच लैटर बाक्स से एक लैटर-बम निकला है. पर यह बताइए कि आपने इस अपराधी को पहचाना कैसे?
सीधी सी बात है.
लैटर बाक्स में कालबैल थी. आम पत्र हल्के होते हैं, इसलिए जब वे उस पर गिरते थे तो आवाज नहीं होती थी. पत्र बम कुछ भारी होता है. जब वह उस पर गिरा काल-बैल बज उठी, चोर पकड़ा गया.
सचमुच आपका दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है, चाचाजी.
© PRAN'S FEATURES

डाकू पैंडा और गैंडा
पैंडा और गैंडा दो डाकू जंगल में योजना बनाते हैं.
सरदार यह सुनसान जगह यात्रियों को लूटने के लिए बहुत उपयुक्त हैं.
मेरा पिस्तौल भी तैयार हैं... लगता हैं वह सामने कोई आ रहा हैं. तैयार हो जाओ.
तुम्हारे पास जितना भी ज़ेवर और पैसा हैं चुपचाप निकालकर जमीन पर रख दो. जरा भी देर की तो दोनों को गोली मार दूंगा
यह रहा मेरी पत्नि का सारा जेवर और रुपया. मेहरबानी करके हमारी जान बख्श दो
हा-हा-! ठीक हैं. अब तुम जा सकते हो.

चाचा चौधरी किसी काम से उधर से गुजरता हैं.
रात होने से पहले मुझे अगले गांव में पहुंचना हैं.
क्यों भाई! इतने घबराए हुए क्यों भागे चले जा रहे हो ?
आगे रास्ते में दो खूंखार डाकू खड़े हैं.
डाकू!...खूंखार!... शायद उन्होंने मेरे भीमसैनी लट्ठ का मजा नहीं चखा. अभी देखता हूं उनको.
सरदार गैंडा...! वह देखो, एक और शिकार आ रहा हैं, काफी पैसे वाला दिखाई देता हैं.
फिक्र मत करो, मेरे पिस्तौल में छह गोलियां भरी हैं. सीधी तरह अगर उसने जेबें उलट दीं तो ठीक हैं नहीं तो...
क्यों बे बूढ़े! किधर बढ़ता चला जा रहा हैं? रख दे निकाल कर जो कुछ भी तेरी जेब में हैं, नहीं तो यह पिस्तौल देखा हैं न!
अभी निकालता हूं

ओह !
यह लो !
धाड़
कोई बात नहीं, सरदार गैंडा. मैं इस धुरे से इस चूहे के टुकड़े टुकड़े कर देता हूं.
हाय!
टीशं
जिन राहगीरों का माल तुमने लूटा है, वह वापस करो.
अभी करते हैं.
© PRAN'S FEATURES
जेवर और रुपए वापस कर दिए जाते हैं.
धन्यवाद चाचाजी, पर वे डाकू कहां हैं?
जेल की हवा खा रहे हैं.
अच्छे काम का नतीजा अच्छा और बुरे का बुरा होता है.